SEYID MUHAMMAD): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Representation of the People Act, 1950.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Representation of the People Act, 1950."

*The motion was adopted.*

DR. V. A. SEYID MUHAMMAD: Sir, I introduce the Bill.

---

CONTINGENCY FUND OF INDIA (AMENDMENT) BILL*

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Contingency Fund of India Act, 1950.

MR. SPEAKER. The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Contingency Fund of India Act, 1950."

*The motion was adopted*

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI. Sir, I introduce† the Bill.

---

**12.05 hrs.**

STATUTORY RESOLUTION RE. DISAPPROVAL OF MAINTENANCE OF INTERNAL SECURITY (AMENDMENT) ORDINANCE, 1976 AND MAINTENANCE OF INTERNAL SECURITY (SECOND AMENDMENT) BILL—*contd*

MR SPEAKER. Now, further discussion on the Resolution moved by Shri Somnath Chatterjee on the 12th August, 1976 Time allotted 4 hours, time taken 1 hour and 20 minutes, balance 2 hours and 40 minutes. At what time the Minister will speak?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU-RAMAIAH): The Minister may be called at 3 o'clock.

MR. SPEAKER: Shri Hari Singh to continue his speech.

श्री हरी सिंह (खुर्जा): अध्यक्ष महोदय, कल जब इस बिल पर चर्चा हो रही थी, तो विरोधी दल के कुछ वक्ताओं ने कहा कि मीसा के द्वारा नागरिक स्वतंत्रता, व्यक्तिगत आजादी और प्रेस की आजादी छीन ली गई है। जो लोग आज नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत आजादी का नारा लगाते है, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ऐसा कौन सा शान्तिप्रिय और भलमनसहत के साथ काम करने वाला नागरिक है, ऐसा कौन सा डाक्टर या प्रोफेसर है, जो ईमानदारी के साथ देश और जनता के हित में काम कर रहा था, ऐसा कौन सा व्यापारी है, जो अपना व्यापार ईमानदारी से चला रहा था, ऐसा कौन सा विद्यार्थी है, जो अपने स्कूल या कालेज मे ढ़ग से पढ़ रहा था और जो तोड़-फोड के काम मे नही लगा था, जिसको मीसा के अन्तर्गत पकडा गया है और जिसकी आजादी छीनी गई है।

अगर निष्पक्ष ढंग से देखा जाये, तो इसका जवाब यह होगा कि जो लोग पकडे गये हैं, वे सचमुच मे तोड-फोड या तस्करी के काम मे लगे थे, जो मिलावट कर के देश के नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड कर रहे थे, जो लाखों करोडो रुपये देश से बाहर भेज रहे थे, जो करो की चोरी कर रहे थे, जो तरह तरह के नारो से लोगों को भडका रहे थे। मीसा के अन्तर्गत जिन लोगो की आजादी छीनी गई है, ये वे लोग थे, जो विदेशी ताकतो के हाथो मे कठपुतली बन कर हिन्दुस्तान मे केओस पैदा कर के यहा की जम्हूरियत को समाप्त करना चहते थे।

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 13-8-1976

†Introduced with the recommendation of the President.